IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 4, June 2024

कृष्णा सोबती की कहानियों में स्त्री समाज

ममता गुप्ता
शोधार्थी हिन्दी
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

डॉ. उर्मिला वर्मा
विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश –

साहित्य समाज का दर्पण है। लोकमंगल की दृष्टि से सृजित साहित्य शब्द अपने व्यापक अर्थो में उन सभी भावों का लेकर चलता है जिसमें शाश्वत मूल्यों का तथा सामयिक मूल्यो का विकास हो यह हमारी संस्कृति पर निर्भर है जिनमें एक बेहतरीन जीवन की कल्पना की गयी है हम सभी मानव परस्पर मिल जुलकर रहे साथ ही साथ एक ऐसे विकास की भूमिका में हो जा मनुष्य के अलावा प्राणियों को भी मंगल भावों से भर दें। साहित्य में विभिन्न सामाजिक समस्याए प्रतिबिंबित होती है साहित्य अपने युग की तथा कल्याण की प्रवृतियों को साहित्य की सीमा से ऊपर उठाकर उसे सार्थकता प्रदान करती है।

मुख्य शब्द – कृष्णा सोबती, कहानियों, स्त्री, समाज, साहित्य, कथा आदि।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-19078